Hindustan Hindi (25.04.2016)

इंजीनियरिंग के अलावा एमएससी पर्यावरण साइंस, रसायन शास्त्र और मास कम्युनिकेशन (पत्रकारिता) की भी पढ़ाई होगी

नए सत्र से वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में तीन नए कोर्स

फरीदाबाद | **कार्यालय संवाददाता**

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में नए सत्र से इंजीनियरिंग के अलावा अब एमएससी पर्यावरण साइंस, रसायन शास्त्र और मास कम्युनिकेशन (पत्रकारिता) की भी पढ़ाई होगी। इसके लिए विद्यार्थियों को मेरिट लिस्ट व लिखित परीक्षा से गुजरना होगा।

इसमें पास छात्र ही इसमें दाखिला ले सकेंगे। इसके लिए मई के दूसरे सप्ताह से आवेदन लिया जाएगा।

कौन ले सकता है दाखिला : एमएससी पर्यावरण साइंस में प्रतिवर्ष 30 विद्यार्थियों का दाखिला होगा। इसके लिए छात्रों को बीएससी, एमटेक और अन्य डिग्री कोर्स में न्यूनम 50 फीसदी अंक होने चाहिए, जबकि एमएससी रसायन विज्ञान में 45 सीटें होंगी। इसमें रूचि रखने वाले छात्रों को बीएसएसी में रसायन होना जरूरी है, जबकि मास कम्यूनिकेशन के किसी भी विषय से बीए या बीएससी छात्र आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए मई के दूसरे सप्ताह में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन किया जा सकता है।

छात्र खुश

- मई के दूसरे सप्ताह से पत्रकारिता के लिए आवेदन लिया जाएगा
- पर्यावरण साइंस में प्रतिवर्ष 30 विद्यार्थियों का दाखिला होगा

जुलाई के तीसरे सप्ताह से क्लास शुरू होंगी : यूनिवर्सिटी में पहली बार शुरू करने का निर्णय लिया गया है। जुलाई के दूसरे सप्ताह तक क्लास शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए जुलाई सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी। एक वरिष्ठ प्रोफेसर का दावा है कि कोर्स शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय से स्वीकृति मिल चुकी है। इसके लिए लिखित परीक्षा या मेरिट के आधार पर दाखिला होगा। मई के दूसरे सप्ताह तक तीन विषय के संबंध में सभी जानकारी ऑनलाइन कर दी जाएगी।

दो वर्ष का होगा कोर्स : यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ एक प्रोफेसर का कहना है कि तीन कोर्स दो वर्ष का होगा। कोर्स के दौरान प्रत्येक छात्रों को प्रत्येक छह महीने में परीक्षा से पास करना होगा। अगर विषय में फेल करते है तो उन्हें दूसरे सेमेस्टर में पास करना अनिवार्य होगा। अगर वह पास नहीं करता है, तो विद्यार्थी को डिग्री नहीं मिलेगी।

पढ़ाई के दौरान प्रति वर्ष आ सकता है 40 हजार का खर्च : छात्रों को दाखिले के दौरान करीब 26 हजार रुपये का खर्च आ सकता है, जबकि पूरे वर्ष में यह राशि 40 हजार के आस पास हो सकती है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों को हो होस्टल और अन्य सुविधाएं भी दी जाएगी।

अभी इंजीनियरिंग कोर्स की होती है पढ़ाई : औद्योगिक नगरी में वाईएमसीए में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रिकल और कम्युनिकेशन, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग सहित छह कोर्स की पढ़ाई होती है। इसमें प्रत्येक वर्ष बी-टेक के करीब 500 नए छात्रों का दाखिला होता है। इनमें सबसे अधिक डिमांड कंप्यूटर इंजीनियरिंग की है। इनमें प्रत्येक वर्ष सिर्फ कंप्यूटर इंजीनियरिंग और आईटी में करीब 120 छात्रों का दाखिला होता है। इसके अलावा इंजीनियरिंग में एमएससी के कई कोर्स होते हैं।

दाखिले की तैयारियां जल्द शुरू कर दी जाएंगी। इसके लिए लगभग सभी औपचारिताएं पूरी कर ली गई हैं। यूनिवर्सिटी में ये तीनों कोर्स पहली बार शुरू किए जा रहे हैं। इससे छात्रों को काफी लाभ मिलेगा।

–**राजकुमार**, यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर

यहां होती है पढ़ाई

- मैकेनिकल इंजीरियरिंग
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रनिक कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी
- इलेक्ट्रिकल एंड इंस्ट्रीम्यूनेशनल इंजीनियरिंग
- कंप्यूटर इंजीनियरिंग और आईटी में प्रत्येक वर्ष करीब 120 छात्रों का दाखिला होता है